

प्रेषक,

ओ०पी०तिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड,
मयूर विहार, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1 (बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 17 नवम्बर, 2008

विषय:- अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत राजकीय जूनियर हाईस्कूल आन्नेकी जनपद हरिद्वार की चारदीवारी निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-22286/एस०सी०पी०/2008-09, दिनांक 26.08.2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राजकीय जूनियर हाईस्कूल, आन्नेकी जनपद हरिद्वार की चारदीवारी निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आंगणन रु० 6.11 लाख के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा संस्तुति औचित्य पूर्ण धनराशि रु० 6.09 लाख (रुपये छः लाख नौ हजार मात्र) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्नवत प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हुए उक्त धनराशि व्यय किये जाने की, श्री राज्यपाल महोदय, सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते हैं।

- उक्त धनराशि का उपयोग 31.03.2009 तक करते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।
- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

- स्वीकृत धनराशि को व्यय करने हेतु ग्राम शिक्षा समिति की बैठक में आवश्यक प्रस्ताव पारित किया जायेगा।
- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्चेज नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए।
- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करेंगे।
- कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जी0बी0डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय-01-सामान्य शिक्षा-201-प्रारम्भिक शिक्षा-02-स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान-0201-प्राथमिक विद्यालयों का विकास एवं सुदृढीकरण-24-वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-332(P)/वित्त अनुभाग-3/2008, दिनांक 12 नवम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न:-आंगणन मूलरूप में वापस।

भवदीय,

(ओपीओतिवारी)
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. महालेखाकार (आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, हरिद्वार (निदेशक के माध्यम से)।
4. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. राजकोषीय बजट संसाधन नियोजन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।